ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | जनवरी -I-2025 | अंक - 19 | माउण्ट आबू | Rs.-12

त्रि-दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन : देश, जाति, धर्म से ऊपर उठकर कार्य करती ये संस्था

"हम एक हैं... एक ही के हैं"

इस एकता के सूत्र को साकार करती ब्रह्माकुमारीज़

- धर्म के आधार से ही पावन श्रेष्ठाचारी भारत की पुनःस्थापना संभव - आचार्य परमानंद
- ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से हो रही है सनातन धर्म की पुनःस्थापना - स्वामी धर्मदेव

अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. बृजमोहन, स्वामी धर्मदेव, स्वामी सर्वानंद सरस्वती, ब्र.कु. आशा दीदी, स्वामी दिनेशानंद, महर्षि भृगु गोस्वामी सुशील, स्वामी विद्यागिरी, आचार्य परमानंद, योगीराज प्रणव चैतन्य एवं अन्य।

गुरुग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने विचार रखते हुए महाशक्ति पीठ दिल्ली से आए महामंडलेश्वर सर्वानंद सरस्वती ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ धारणाओं से जुड़ा हुआ है। आज हमने संप्रदाय को ही धर्म समझ लिया है। ब्रह्माकुमारीज़ देश, जाति और धर्म से ऊपर उठकर समाज उन्नति का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा पवित्रता के आधार से ही नई दुनिया की पुनःस्थापना धर्म सत्ता ही कर सकती है। हमें बाहर से नहीं, अंदर से साधु

श्रेष्ठाचारी भारत के निर्माण का आधार है धर्म। धर्म के मार्ग पर चलने वालों की रक्षा धर्म स्वयं करता है।

- दिनेशानंद भारती

बनने की ज़रूरत है। 'पावन श्रेष्ठाचारी सुखमय समाज की पुनःस्थापना' विषय पर दादी प्रकाशमणि सभागार में रुड़की से आए स्वामी दिनेशानंद भारती ने कहा कि धर्म के मार्ग पर चलने वालों की रक्षा धर्म स्वयं करता है। पाप की मूल जड़ें अशुद्ध कामनायें हैं। श्रेष्ठाचारी भारत के निर्माण का आधार धर्म है। ऋषिकेश के महामंडलेश्वर स्वामी स्वतंत्रानंद महाराज ने कहा कि सम्मान उन्हीं का होता है जो जोड़ने का कार्य करता है। आज समाज में आपसी समरसता की बहुत ज़रूरत है। हरि मंदिर पटौदी से आए स्वामी धर्मदेव ने कहा कि संतों की वजह से ही आज पूरे विश्व में भारत का नाम बड़े गौरव से लिया जाता है। भारत विश्व गुरू है क्योंकि भारत ही पूरे विश्व को अज्ञान अंधकार से निकालता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था सनातन धर्म की पुनःस्थापना में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद महाराज ने कहा कि सारे विश्व में सिर्फ सनातन धर्म से ही विश्व को परिवार मानने की प्रेरणा मिलती है। अयोध्या से आये रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण ने कहा कि मनुष्य का जन्म ही धर्म के साथ होता है। आत्मा के मूल गुण ही वास्तव में धर्म का रूप हैं। अपने मूल स्वरूप अर्थात् धर्मानुकूल कर्म करने से ही श्रेष्ठ समाज की स्थापना होगी। कर्म की कुशलता का नाम ही योग है। कटनी मध्यप्रदेश से आचार्य परमानंद ने कहा कि सुखमय भारत की पुनःस्थापना में धर्म की अहम भूमिका है।

सम्मान उन्हीं का होता है जो जोड़ने का कार्य करते हैं। आज सामाजिक समरसता की ज़रूरत है।

- स्वतंत्रानंद महाराज

जब तक मानसिक शुद्धि नहीं होगी तब तक सनातन धर्म पुनःस्थापित नहीं होगा। महर्षि भृगु पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की कथनी और करनी समान है। विश्व भर में सभी धर्मों को साथ लाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ ने किया है। दिल्ली एनसीआर के संत महामंडल की अध्यक्षा महामंडलेश्वर स्वामी विद्यागिरी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें नारी शक्ति को जगाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रमुख महासचिव राजयोगी बृजमोहन ने कहा कि परमात्म प्रेम ही वास्तव में सत्य है। परमात्मा अविनाशी होने के कारण उसका प्रेम भी अविनाशी है। परमात्म प्रेम ही सच्चा सुख है। वर्तमान समय मनुष्य जिसे प्रेम समझते हैं, वो विनाशी है। विनाशी व्यक्तियों और वस्तुओं से होने के कारण उसमें दुःख समाया हुआ है। परमात्मा के सच्चे स्नेह के आधार से ही श्रेष्ठ भारत की पुनःस्थापना हो सकती है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा सदा यही कहा करते थे कि साधु-संत के त्याग, तपस्या और पवित्रता के कारण ही भारत की संस्कृति को कोई मिटा नहीं पाया। माउण्ट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने सबको राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में दिल्ली, पहाड़गंज से महामंडलेश्वर स्वामी हरिओम, मुंबई से महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरी, ऋषिकेश योग धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष योगीराज प्रणव चैतन्य ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अनेक साधु, संत, महात्माओं सहित धार्मिक क्षेत्र से जुड़े

मनुष्य जिसे प्रेम समझते हैं, वो विनाशी है, उसमें दुःख समाया हुआ है। परमात्म प्रेम ही सच्चा सुख है।

- ब्र.कु. बृजमोहन

लोगों ने काफी संख्या में शिरकत की। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. लक्ष्मी बहन एवं ब्र.कु. वीणा बहन ने किया।